RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार 07 मई 2024 वर्ष 06 अंक 19 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

मुख्यमंत्री ठाणे की रैली छोड़कर बच्चे की मदद के लिए दौड़ पड़े

Page - 2

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

उद्धव ठाकरे बालासाहेब की संपत्ति के वारिस... विचारों के नहीं,

फडणवीस ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख पर कसा तंज!

मुंबई : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि बालासाहेब ठाकरे की असली शिवसेना एकनाथ शिंदे की है उद्धव ठाकरे की नहीं। देश को मजबूत नेतृत्व की जरूरत है। ऐसे में उद्धव ठाकरे को कौन पूछता है। उन्हें राहुल गांधी के सामने मुजरा करना है। देवेंद्र फडणवीस ने आज रायगड जिले में मावल लोकसभा क्षेत्र से महायुति के उम्मीदवार श्रीरंग बारणे की प्रचार सभा को संबोधित करते हुए महाविकास आघाडी पर हमला बोला। उन्होंने कहा हमें वैश्विक प्रकार का नेतृत्व मिला है। ये सड़क का चुनाव नहीं, दिल्ली का चुनाव है। जो नेता आपके पास आ रहे हैं वे सड़क पर भाषण दे रहे हैं और गद्दार, खुद्दार, खोखे, टोके, बोके, इससे आगे नहीं बढ़ते।

फडणवीस ने उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि वे (उद्धव गट) लोग श्रीरंग बारणे पर आरोप लगा रहे हैं और गद्दार कह रहे हैं। बारणे शिवसेना में ही है। हिन्दुहृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे की असली शिवसेना एकनाथ शिंदे के पास है, उद्धव ठाकरे के पास नहीं। आपने (उद्धव ठाकरे) जिस नेता को उम्मीदवारी दी उसका जन्म किस शिवसेना में हुआ था? वहां खुद्दारी चल रही है, अगर हम बालासाहेब ठाकरे की सोच पर कायम रहेंगे तो ये गद्दारी है। फडणवीस ने आगे कहा कि उद्धव ठाकरे ने बालासाहेब ठाकरे के विचारों के साथ विश्वासघात किया है। बाला साहब ने कहा था कि जिस दिन कांग्रेस से गठबंधन करने का समय आएगा, मैं अपनी शिवसेना की दुकान बंद कर दूंगा। लेकिन उद्धव ठाकरे उसी कांग्रेस के साथ बैठे।

5 बीजेपी नेताओं को जेल भेजने की थी उद्धव की योजना

सीएम शिंदे का सनसनीखेज खुलासा...

मुंबई: बीजेपी को डराकर 20 से 25 विधायकों तोड़ने के साथ बीजेपी विधायक दल के तत्कालिन नेता देवेन्द्र फड़णवीस, गिरीश महाजन समेत भाजपा के 5 नेताओं को जेल में डालने की योजना उद्धव ठाकरे ने बनाई थी। यह सनसनीखेज खुलासा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किया है .सीएम शिंदे ने कहा कि तत्कालिन सीएम उद्धव ठाकरे बीजेपी नेताओं को जेल भेज कर महाविकास आघाड़ी को मजबूत करना चाह रहे थे।

विकास योजनाओं पर लगा ब्रेक हटाया

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सोमवार को उत्तर पूर्व मुंबई लोकसभा क्षेत्र के भांडुप में आयोजित सभा में बोल रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज मातृशक्ति का सम्मान करते थे। इसी प्रकार हमारी सरकार महाराज के आदर्श को सामने रखकर कार्य कर रही है। महाविकास अघाड़ी सरकार ने ढाई साल के दौरान परियोजनाओं को रोकने का ही कार्य किया। हमने विकास योजनाओं पर लगे स्पीड ब्रेकर को हटा दिया। सीएम ने कहा कि कारशेड के कार्य पर लगी रोक हटाई गई, अगर आरे में कारशेड नहीं बनाया होता तो हम 10 साल पीछे चले गए होते और प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए 10 हजार करोड़ रुपये ज्यादा लगते। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने बालहठ और अहंकार के कारण जो फैसला लिया, उससे राज्य को नुकसान हुआ।

जांच में फंसाने की थी योजना

सीएम ने कहा कि मेट्रो 3 प्रोजेक्ट के लिए देवेंद्र फडणवीस के समय 10,000 करोड़ रुपये ज्यादा लिए गए, ऐसा कहते हुए मुझे फडणवीस के खिलाफ उस समय जांच के लिए कहा गया। मैंने उनसे कहा कि इस जांच से कुछ नहीं होगा, उलटे पैसा ज्यादा लगेगा और प्रोजेक्ट में देरी होगी। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि वे नहीं सुन रहे थे, इसलिए आखिरकार उनकी सरकार उखाड़ फेंकी गई। सीएम ने कहा कि मैं एक कार्यकर्ता के तौर पर काम करता हूं, लेकिन उन्हें तकलीफ हुई। पिछले मॉनसून में मुंबई में ड्रेनेज की वजह से पानी ओवरफ्लो नहीं हुआ। सड़कों से धूल हटाने के बारे में कभी किसी ने नहीं सोचा, लेकिन हमने सड़कों को धोकर साफ किया है।

ठाणे/ सड़क दुर्घटना में राजनीतिक सहयोगी की मौत!

ठाणे: एक राजनीतिक नेता के निजी सहायक के रूप में काम करने वाले 30 वर्षीय व्यक्ति की रविवार तड़के सड़क पार करते समय एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कोनगांव भिवंडी पुलिस मामले की जांच कर रही है और प्रथम दृष्टया यह निष्कर्ष निकाला है कि उनकी मौत अज्ञात वाहन की टक्कर से लगी चोटों के कारण हुई है। शाहपुर के रहने वाले पीड़ित प्रशांत भोईर लंबे समय से राजनीतिक दलों से जुड़े हुए थे। शनिवार सुबह वह दो दोस्तों के साथ सरकारी काम से मुंबई गए। अपनी वापसी यात्रा पर, उन्होंने कुछ दोस्तों को राजमार्ग के किनारे एक बार में पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

मुंबई के मालाबार हिल झुग्गी में पति ने बेटों के सामने पत्नी की चाकू मारकर हत्या !

मुंबई: 38 वर्षीय एक व्यक्ति रात के खाने पर अपनी पत्नी के बीच तीखी बहस के बाद कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, दक्षिण मुंबई के मालाबार हिल में शिमला नगर झुग्गी की रहने वाली 36 वर्षीय मृतक अंजलि वरदाम अपने पति अजय और दो बेटों के साथ रहती थी। आरोपी ने कथित तौर पर पीड़िता के सीने में चाकू घोंप दिया। दंपति के 16 वर्षीय बेटे ने पास रहने वाले रिश्तेदारों को सतर्क कर दिया। परिजन घायल पीड़िता को भाटिया अस्पताल ले गए जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने मृतक की सास 62 वर्षीय आशा उर्फ सरस्वती शशिकांत वरदाम को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसका बेटा (मृतका का पति) फरार है। पुलिस ने उसका पता लगाने के लिए कई टीमें गठित की हैं।

अजय एक निर्माण स्थल पर मजदूर के रूप में काम कर रहा था जबकि उसकी पत्नी घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। घटना शनिवार रात 10 बजे से 10:30 बजे के बीच हुई, जब वरदाम दंपति और उनके 16 और 7 साल के बेटे खाना खा रहे थे। पुलिस का कहना है कि झगड़े का कारण यह था कि अजय को अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह था और वे उसके संदेह पर लड़े थे। लड़ाई के दौरान अजय को गुस्सा आ गया और उसने रसोई से चाकू उठाकर अंजलि के बाएं सीने पर वार कर दिया. दोनों बेटे घर से भाग गए। फिर अजय और उसकी मां ने फर्श पर खून के धब्बे साफ किए और मृतक के कपड़े बदले। बड़े बेटे ने आसपास के अन्य रिश्तेदारों को जानकारी दी। वे उसे भाटिया अस्पताल ले गए।

''मालाबार हिल पुलिस को घटना के बारे में सूचित किया गया। पोस्टमार्टम कराया गया और पूछताछ में हकीकत सामने आ गई। पुलिस ने मृतक के भाई अशोक नलवड़े की शिकायत के आधार पर अजय और उसकी मां के खिलाफ हत्या और सबूत नष्ट करने का मामला दर्ज किया है. एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''मां को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि पुलिस पति की तलाश कर रही है।''

वडट्टीवार के मुंबई आतंकी हमले को लेकर बयान पर प्रत्यक्षदर्शी ने कहा...

'हमारे घाव पर नमक न छिड़कें'

मुंबई : मुंबई में 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकी हमले के मामले में आतंकवादी अजमल कसाब के खिलाफ गवाही देने वाली सबसे कम उम्र की प्रत्यक्षदर्शी देविका रोटवान ने महाराष्ट्र आतंक रोधी दस्ते (एटीएस) के प्रमुख हेमंत करकरे की शहादत पर बयान देने वाले कांग्रेस नेता विजय वडट्टीवार का नाम लिये बगैर सोमवार को कहा कि किसी को भी इस तरीके से ह्यघावों पर नमक नहीं छिड़कनाह्न चाहिए।

महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता वडट्टीवार ने दावा किया था कि 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकी हमले के दौरान करकरे की मौत कसाब की गोली से नहीं हुई थी बल्कि वह एक पुलिसकर्मी की गोली का शिकार हुए थे, जो राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ा हुआ था। कांग्रेस नेता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुंबई नॉर्थ सेंट्रल लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार उज्ज्वल निकम पर निशाना साधते हुए यह टिप्पणी की थी। निकम आतंकी हमले के मुकदमे में विशेष लोक अभियोजक रहे थे। देविका ने कहा, ''अगर 26 नवंबर को कसाब ने गोली नहीं चलाई तो किसने चलाई? कोई भी उस आतंकी हमले को कभी नहीं भुला पायेगा। आप हमारे घाव को कुरेद कर उसपर नमक छिड़क रहे हैं। अगर आप राजनीति करना चाहते हैं तो दूसरे विषयों पर करें लेकिन इसपर नहीं।'' देविका 26 नवंबर 2008 को अपने पिता नटवरलाल और भाई आकाश के साथ छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल (सीएसएमटी) पर ट्रेन का इंतजार कर रहीं थीं कि तभी कसाब और उसके एक साथी ने अंधाधुंध गोलियां चला दीं। देविका के दाहिने पैर में गोली लगी थी, जिस कारण उन्हें लंबे समय तक बैसाखी के सहारे चलना पड़ा। इतना ही नहीं देविका, कसाब के मुकदमे के दौरान अदालत में गवाही देने वाली सबसे कम उम्र की चश्मदीद गवाह बनी और आखिर में आतंकी को फांसी की सजा दी गयी।

संपादकीय...

कसम चुनाव की...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

चुनाव के तपते महीने के मुहाने पर खड़ा ऋण किसी भी पार्टी के लिए अपवाद नहीं। खुशखबरी यह कि दिसंबर तक की वित्तीय मोहलत में 6200 करोड़ तक का कर्ज उठाने का सामर्थ्य हमें इस लायक बना रहा है कि चुनाव परिणाम कुछ भी रहें, प्रदेश की तकदीर में उधार का भूसा भरा रहेगा। अप्रैल-मई में हजार जमा सात सौ करोड़ की ऋण अनुमति के हम सिकंदर हैं, लेकिन कसम चुनाव की, इसको लेकर कोई बहस नहीं होगी। बहस तो यह होगी कि आखिर कंगना रनौत खाती और पहनती क्या है या आनंद शर्मा कितने अपने-कितने प्रतिशत बाहरी हैं। हमारे मुद्दे टकराऊ हैं जरूर। अगर आप में सामर्थ्य है तो बताएं मेडिकल कालेजों, एम्स तथा पीजीआई सेटेलाइट सेंटर का श्रेय किसे दें। वैसे हम श्रेय लूट कर ही कंगाल हो रहे हैं। घाटे के बस डिपो खोलने का श्रेय, छात्रों के बिना स्कूल-कालेज खोलने का श्रेय और अस्पताल खोलकर डाक्टर की तलाश करने का श्रेय लूटना कोई हिमाचल से सीखे। हमारे चुनाव की सुर्खियां इस काबिल भी नहीं कि पिछले साल के उठाए गए 8300 करोड़ के कर्ज पर अफसोस कर सकें। हमें कौन सी आफत है कि राज्य के मुकद्दर पर बैठे करीब सत्तर हजार करोड़ के ऋण का दुख मनाएं। दुखी तो हम तब होते हैं जब विपक्ष में पहुंचा दिए जाते हैं, वरना सत्ता में रहते हुए तो अदना सा विधायक भी कह उठता है कि प्रदेश में धन की कमी आने नहीं देंगे। वाकई धन है सरकारी नौकरी में और ओल्ड पेंशन स्कीम में। सरकार की हर गारंटी में। हमें मुफ्त में बिजली और महिला होने पर पंद्रह सौ का वजीफा मिल जाए तो दुख काहे का। हमें एचआरटीसी का बढ़ता घाटा नहीं सताता, क्योंकि महिला यात्री बनते ही आधा किराया और करवा चौथ व राखी पर मुफ्त में सरकारी बस पर चढ़ने का मौका मिल जाता है।

जिस प्रदेश की हर साल कर्ज उठाने से नाक नहीं कटती, वहां नागरिक समाज क्यों मुफ्त में खाने से न नुकर करें। हम बीपीएल होकर वीआईपी हो जाते हैं और शुक्रगुजार हैं केंद्र सरकार के कि कुछ हो या न हो, मुफ्त के राशन में हिमाचल का भाषण भी शरीक हो जाता है। हम राज्य और केंद्र की सत्ता में परोसी जा रही रेवड़ियों के इतने मुरीद हैं कि न प्रदेश और न ही देश की आर्थिकी रास आती है। इस पर तुर्रा यह कि डबल इंजन सरकार बन कर भी हमारी लालटेन में तेल खरीदने की शक्ति नहीं। कहने को हम विद्युत राज्य और शुक्रिया शांता कुमार और नरसिंहा सरकार का कि हिमाचल में पैदा होने वाली बिजली में से मुफ्त की आपूर्ति रायल्टी स्वरूप मिल रही, वरना बीबीएमबी में लटके हमारे वित्तीय अधिकार आज भी सजावाफ्ता हैं। सुक्खू सरकार ने जोश जोश में बीबीएमबी को ललकारा तो केंद्र को पसंद नहीं आया। वाटर सैस लगाकर खजाने को धूप टीका दिया, तो फिर केंद्र को मजा नहीं आया। इधर सुक्खू सरकार आत्मनिर्भरता के लिए शानन विद्युत परियोजना की लीज खत्म होने के बाद, वापसी की प्रतीक्षा कर रही उधर केंद्र व पंजाब के चुनाव हमारे अपने चुनावों को आंखें दिखा रहे हैं। अटल सरकार ने कभी औद्योगिक पैकेज दिया तो बीबीएन ने आर्थिक दवाई बनानी शुरू कर दी, लेकिन इस पैकेज को रोकने वाले अब हिमाचल के हित में वोट मांग रहे हैं।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

बिजली बिल अधिक आने से नाराज एक ग्राहक ने महावितरण के कार्यालय में एक महिला कर्मचारी की कर दी हत्या !

महाराष्ट्र : बिजली बिल अधिक आने से नाराज एक ग्राहक ने महावितरण के कार्यालय में एक महिला कर्मचारी की पीट-पीटकर हत्या कर दी, यह हाल ही की घटना है। लेकिन अब मुंबई में भी ऐसी ही चौंकाने वाली घटना घटी है. गोवंडी में एक सनसनीखेज घटना घटी है जहां एक इस्मा ने बिजली बिल के विवाद के चलते अपने ही मकान मालिक की हत्या कर दी. इस मामले में शिवाजी नगर पुलिस ने 63 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या का मामला दर्ज किया गया है.

यह सनसनीखेज हत्याकांड गोवंडी में हुआ। मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी का नाम अब्दुल शेख (उम्र 63) और मृतक का नाम गणपति झा (उम्र 49) है. वह बंगाणवाड़ी में रहता था. स्थानीय लोगों ने गुरुवार से बंगानवाड़ी स्थित उनके आवास से आ रही गंध के बारे में पुलिस को सूचित किया।

पुलिस जब दरवाजा खोलकर अंदर दाखिल हुई तो सामने का नजारा देखकर हैरान रह गई. पता चला कि झा की दो दिन पहले मौत हो गयी. मामले को सुलझाने के लिए पुलिस ने पड़ोसियों और परिवार के सदस्यों से भी पूछताछ शुरू की। फिर उन्हें मृतक के भाई दिनेश से अहम जानकारी मिली. कुछ दिन पहले पुलिस को पता चला कि गणपति का अपने किरायेदार अब्दुल शेख से झगड़ा हुआ था. बाद में पुलिस ने अब्दुल को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने जुर्म कबूल कर लिया।

चेहरे पर हथौड़े से वार किया

30 अप्रैल को गणपति और किरायेदार अब्दुल के बीच विवाद हो गया। बढ़ते बिजली बिल को लेकर उनका झगड़ा हो गया. मारपीट के दौरान गणपति ने अब्दुल को अपशब्द कहे। गुस्से में आकर अब्दुल शेख ने गणपति की लकड़ी से पिटाई कर दी. तब गणपति ने अपना बचाव करने के लिए विरोध किया। लेकिन तभी आरोपी अब्दुल यानी ने घर के मालिक गणपति के चेहरे पर हथौड़े से वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गये. अब्दुल शेख ने उन्हें ऐसे ही छोड़ दिया. गणपति की उनके आवास पर चोटों के कारण मृत्यु हो गई। दो दिन बाद जब बदबू आने लगी तो पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी और हत्या की वारदात का खुलासा हुआ.

सोलापुर के लोग शिवसेना के NCP तोड़फोड़ से हैं नाराज...

सोलापुरः महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव प्रचार चरम पर है। सत्ताधारी महायुति और विपक्षी महा विकास आघाडी राज्य की 48 सीटों पर जोर आजमाइश कर रहे हैं। सभी दलों के जीतने के अपने अपने दावे और तर्क हैं। आम लोगों का क्या मत है यह जानने की हमने कोशिश की मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से सोलापुर आने वाली वंदे भारत के यात्रियों से। लोगों की बात से एक निष्कर्ष निकला कि महाराष्ट्र में पिछले दो साल में शिवसेना और ठउढ में हुई राजनीतिक तोड़फोड़ पसंद नहीं आई। मुंबई में सॉफ्टवेयर इंजिनियर विराज देशमुख ने कहा कि कभी महाराष्ट्र विकास के लिए चर्चा में रहता था, लेकिन अब सत्ता कैसे हथियाएं और पार्टी पर कैसे कब्जा करें इसको लेकर सुर्खियों में रहता है। उन्होंने बीजेपी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि एक राजनीतिक दल अपनी महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए यह सब कर रहा है। उन्होंने बात-बात में कहा कि महाराष्ट्र में सबसे कम वोटिंग का कारण यही है कि लोगों की राजनीति में ज्यादा रुचि नहीं है।

कितने शिवसेना, कितने एनसीपी

योगेश काटकर ने कहा कि राज्य में जिस तरह से दलों में तोड़फोड़ हुई है उससे लोग भ्रम की स्थिति में हैं। महाराष्ट्र शायद देश का पहला राज्य होगा जहां दो-दो शिवसेना और दो-दो एनसीपी हैं। यह किसी भी राज्य के लिए ठीक नहीं है। भतीजा, चाचा से और विधायक पार्टी प्रमुख से पार्टी छीन लेता है। उनका इशारा अजित पवार और एकनाथ शिंदे की तरफ था। बाला साहेब को गुजरे एक दशक से अधिक हो गया लेकिन लोगों का आज भी उन पर वैसा ही विश्वास कायम है। नौकरी करने वाले निखिल पाटिल ने कहा कि अगर आज बाला साहेब ठाकरे होते तो राज्य की यह हालत नहीं होती। चुनावी प्रचार में नेता एक-दूसरे को गाली दे रहे हैं। कहीं ननद भौजाई को लड़ाया जा रहा है तो कहीं देवर भौजाई आमने-सामने चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव में पढ़ाई बेहतर कैसे हो, बेरोजगारी दूर करने की क्या योजना है, महंगाई का कोई जिक्र नहीं है।

मुख्यमंत्री ठाणे की रैली छोडकर बच्चे की मदद के लिए दौड़ पड़े

ठाणेः ठाणे लोकसभा उम्मीदवार नरेश म्हस्के की प्रचार रैली मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गृह मैदान यानी किसननगर में आयोजित की गई थी। इस रैली के दौरान मुख्यमंत्री शिंदे अचानक रैली छोड़कर नौ साल के एक लड़के की मदद के लिए दौड़ पड़े, जिसका हाथ जल गया था। मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता का प्रत्यक्ष अनुभव ठाणेकरों को देखने को मिला।

भायंदर में सोसायटी के खंजिदार ने नहीं दिया फायर का टेंडर तो मनपा के दमकल अधिकारी ने बुरी तरह पीटा...

भायंदर : महाराष्ट्र के भायंदर पश्चिम के राई गांव में मौजूद बालचन्द नगर सोसायटी के खजिंदार को मनपा के दमकल विभाग के अधिकारी ने सिर्फ इसलिए पीट कर जख्मी कर दिया क्योंकि उसने अपनी सोसायटी के फायर का टेंडर दमकल विभाग के अधिकारी को नहीं दिया था. दमकल अधिकारी सदानंद पाटिल द्वारा की गई पिटाई में एकनाथ मांजरेकर गंभीर रूप से घायल हो गया.

एकनाथ मांजरेकर ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि 1 मई को हल्दी के कार्यक्रम के दौरान जब वह खाना खा रहे थे तब पाटिल ने उनके साथ मार-पीट की. पाटिल ने दारू के नशे में मांजरेकर का इस कदर बेरहमी से पीटा की उनके पैर की हड्डी दो जगह से टूट गई.

जख़्मी मांजरेकर का इलाज भायंदर के आथोर्मेड अस्पताल में चल रहा है. इस मामले में भायंदर पुलिस ने आरोपी दमकल विभाग के अधिकारी के खिलाफ आईपीसी की धारा 325, 506, 504 के तहत मामला दर्ज आगे की जांच में जुट गई हैं.

काले जादू के शक में ग्रामीणों ने एक पुरुष और एक महिला को जिंदा जला दिया

गढ़चिरौली : गढ़चिरौली जिले में एक चौंकाने वाली घटना घटी है. प्रगतिशील कहे जाने वाले महाराष्ट्र का ऐसा रूप हर किसी को हैरान करने वाला है. काले जादू के शक में ग्रामीणों ने एक पुरुष और एक महिला को जिंदा जला दिया. दोनों की मौत हो चुकी है. यह भयावह घटना गढ़चिरौली जिले के एट्टापल्ली तालुक के बसेरवाड़ा गांव में हुई। पुलिस को इसकी जानकारी गुरुवार को हुई. इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर 15 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया.

आरोपियों ने देउ अटालामी (57) और जमनी तेमहाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में एक चौंकाने वाली घटना घटी है. प्रगतिशील कहे जाने वाले महाराष्ट्र का ऐसा रूप हर किसी को हैरान करने वाला है. काले जादू के शक में ग्रामीणों ने एक पुरुष और एक महिला को जिंदा जला दिया. दोनों की मौत हो चुकी है. यह भयावह घटना गढ़चिरौली जिले के एट्टापल्ली तालुक के बसेरवाड़ा गांव में हुई। पुलिस को इसकी जानकारी गुरुवार को हुई. इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर 15 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया.

पुलिस अधिकारी ने वारदात के पीछे के कारणों का खुलासा किया. पड़ोसी बोलेपल्ली में लगातार तीन मौतें हुईं. इसमें आरोपी देउ अटालामी

और जमानी तेलामी पर काला जादू करने का संदेह था. आरोपियों ने उन तीन मौतों के लिए देउ अटालामी और जमानी तेलामी को जिम्मेदार ठहराया। पुलिस को शक है कि हत्या में तेलामी का पति और बेटा भी शामिल हैं.

आरोपी न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुए

इस मामले में पुलिस ने धारा 302, 307, 201, 143, 147, 149 के तहत मामला दर्ज किया है. फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। आरोपियों को अहेरी के प्रथम श्रेणी न्यायालय में पेश किया गया।लामी (52) को घर से बाहर खींच लिया। उन्होंने उसे तीन घंटे तक पीटा. वे दोनों रहम की भीख मांग रहे थे. लेकिन किसी को उन पर दया नहीं आई। सारा गाँव तमाशा देख रहा था। इसके बाद आरोपियों ने दोनों को जिंदा जला दिया. उनका बहुत दर्दनाक अंत हुआ. जिला पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने दोनों के आंशिक रूप से जले हुए शवों को गांव के एक नाले में फेंक दिया. पुलिस को इस चौंकाने वाली घटना के बारे में अगले दिन पता चला.

पुलिस अधिकारी ने वारदात के पीछे के कारणों का खुलासा किया. पड़ोसी बोलेपल्ली में लगातार तीन मौतें हुईं. इसमें आरोपी देउ अटालामी और जमानी तेलामी पर काला जादू करने का संदेह था. आरोपियों ने उन तीन मौतों के लिए देउ अटालामी और जमानी तेलामी को जिम्मेदार ठहराया। पुलिस को शक है कि हत्या में तेलामी का पति और बेटा भी शामिल हैं.

आरोपी न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुए

इस मामले में पुलिस ने धारा 302, 307, 201, 143, 147, 149 के तहत मामला दर्ज किया है. फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। आरोपियों को अहेरी के प्रथम श्रेणी न्यायालय में पेश किया गया।

कल्याण पूर्व में पत्नी से अनैतिक संबंध के शक में मजदूर की हत्या!

डोंबिवली : पड़ोस में रहने वाले एक मजदूर का उसकी पत्नी के साथ अनैतिक संबंध है। इस प्रकार दो मजदूर, जो हमेशा एक-दूसरे पर शक करते थे और शराब को लेकर झगड़ते थे, शनिवार रात को जमकर मारपीट हुई। इसमें एक मजदूर ने दूसरे मजदूर के सिर पर लकड़ी से वार कर दिया और उसकी मौत हो गयी. यह घटना डोंबिवली के पास प्रीमियर कंपनी के पीछे उसारघर गांव की सीमा में मानपाड़ा-दीवा रोड पर हुई। मृतक मजदूर की पहचान जोहरल्ली प्यारे अंसारी (32) के रूप में की गई है। वह उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हैं। वह उसरघर में कोहिनूर हाउसिंग प्रोजेक्ट में वायरमैन के रूप में काम कर रहा था। वह अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ ऊसरघर में रहता था। अंसारी परिवार पिछले चार साल से उसरघर इलाके में रह रहा है। मृतक जोहरल्ली को यह संदेह था कि उसकी पत्नी का

उसके पड़ोसी तहियाद अली अंसारी (24) के साथ अनैतिक संबंध है और वह घर पर अपनी पत्नी को पीटता था। ताहियाद अली को शक था कि उसकी पत्नी के दिवंगत जौहर अल्ली के साथ अनैतिक संबंध हैं। इस विषय पर जौहरअली और ताहियादअली में रात को झगड़ा होता था।

शनिवार की रात जोहरल्ली रोजाना की तरह शराब पीकर घर आया।उसने अपनी पत्नी से झगड़ा किया और उसे गाली देना शुरू कर दिया। जोहरल्ली की पत्नी इस डर से चिल्लाने लगी कि उसका पति उसे मार डालेगा। इसी समय पड़ोस में रहने वाला तहियाद अली दौड़कर घर में आया। उन्होंने जोहरल्ली को समझाया. उन्हें शांत रहने की सलाह दी गयी. जोहरल्ली ने उसके साथ भी दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया। दोनों के बीच घरेलू विवाद सड़क पर शुरू हुआ। जब जोहरल्ली ने गाली देना बंद नहीं किया तो ताहियादल्ली ने पास पड़ी एक लकड़ी उठाई और जोहरल्ली के सिर पर जोर से दे मारी। जोहरल्ली की पत्नी उसे खून बहने के कारण मानपाड़ा के एक निजी अस्पताल में ले गई। वहां उनका इलाज किया जा रहा है और वापस घर लाया गया है. रास्ते में जोहरल्ली बेहोश होकर गिर पड़ा। उसे घर लाया गया. सुबह जब उसकी पत्नी ने उसे जगाया तो वह बेसुध था। जौहर की पत्नी ठेकेदार सतीश यादव की मदद से जौहर को नगर पालिका के शास्त्रीनगर अस्पताल ले गईं। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जोहरल्ली की पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने मानपाड़ा थाने में मामला दर्ज कर लिया है.

तलोजा में सिडको लाभार्थियों की याचिका... पहले मुआवजा, फिर मकानों पर कब्जा!

पनवेल: सिडको मेगा हाउसिंग प्रोजेक्ट के तलोजा बस्ती के 7000 से अधिक लाभार्थियों ने रविवार को सेक्टर 34 और 36 में परियोजना स्थल पर एक बैठक में आक्रामक रुख अपनाया, उन्होंने कहा, 'सिडको निगम पहले मुआवजा दे, फिर हम फ्लैटों पर कब्जा करेंगे। '. चूंकि सिडको बोर्ड ने पिछले तीन वर्षों से इन लाभार्थियों को उनके सही फ्लैटों का कब्जा समय पर नहीं दिया, इसलिए इन लाभार्थियों को आवास ऋण बकाया और अन्य आवास किराए का भुगतान करना पड़ा। लाभुक इसके लिए मुआवजे की मांग कर रहे हैं. तलोजा में अपर्याप्त जल आपूर्ति की समस्या ने निवासियों को सिडको महा हाउसिंग प्रोजेक्ट के नए फ्लैटों में रहने से डरा दिया है।

लाभार्थियों ने यह रुख अपनाया है कि वे सड़क, स्ट्रीट लाइट और सीवेज नहरों का काम पूरा करें और

उसके बाद ही फ्लैटों का कब्जा दें।

नवी मुंबई मेट्रो स्टेशन के आखिरी पड़ाव तलोजा में पेंडार मेट्रो स्टेशन के इलाके में इस मेगा हाउसिंग प्रोजेक्ट का काम अंतिम चरण में शुरू हो गया है. 2019 में, CIDCO Corporation ने लॉटरी के माध्यम से निम्न और निम्न आय वर्ग के लाभार्थियों का चयन किया। कोरोना महामारी के कारण इस परियोजना का निर्माण कार्य आगे बढ़ा दिया गया और सिडको बोर्ड द्वारा लाभार्थियों को कब्जा सौंपने की समय सीमा अनिश्चित बनी रही। इससे पहले यह शर्मिंदगी इसलिए पैदा हुई क्योंकि सिडको बोर्ड ने मार्च 2023 और ऐसी कई तारीखों पर फ्लैटों के हस्तांतरण का वादा नहीं निभाया। इन लाभार्थियों को लोकसभा चुनाव आचार संहिता से पहले फ्लैटों पर कब्जा मिलने की उम्मीद थी। लेकिन वैसा नहीं हुआ। इसके विपरीत खाओ. श्रीरंग बार्ने की सिडको बोर्ड के तत्कालीन प्रबंध निदेशक के साथ हुई बैठक में मुआवजा देने पर सहमति बनी थी लेकिन बाद में प्रबंध निदेशक का तबादला कर दिया गया. नए प्रबंध निदेशक विजय सिंघल द्वारा अभी तक लाभार्थियों के लिए कोई भूमिका नहीं निभाने से लाभार्थियों के प्रतिनिधिमंडल ने फिर खाना खा लिया। बैरन से मुलाकात हुई. लेकिन इसका अभी तक कोई फायदा नहीं हुआ है. रविवार को तलोजा में परियोजना स्थल पर आयोजित लाभार्थियों की बैठक में कई महिला लाभार्थियों ने अपनी चिंताएं व्यक्त कीं।

32 प्रदूषण फैलाने वाली जींस फैक्ट्रियों को प्रभाग प्रथम की सहायक आयुक्त हेमा मुंबरकर ने कराया ध्वस्त!

कल्याण : कल्याण पूर्व के चिंचपाड़ा, वदारली क्षेत्र में हरित पट्टी को नष्ट कर स्थापित की गई 32 प्रदूषण फैलाने वाली जींस फैक्ट्रियों को प्रभाग प्रथम की सहायक आयुक्त हेमा मुंबरकर ने अतिक्रमण नियंत्रण दल की मदद से शनिवार को ध्वस्त कर दिया। इन फैक्ट्रियों के कारण जल प्रदूषण और वायु प्रदूषण बढ़ने से क्षेत्र के नागरिक परेशान हैं। कुछ साल पहले सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर उल्हासनगर शहर के शहरी इलाकों से प्रदूषण फैलाने वाली जींस फैक्ट्रियों को हटा दिया गया था. इन फैक्ट्रियों से होने वाले प्रदूषण के कारण क्षेत्र

के नागरिक सावधान रहते थे कि वे अपने क्षेत्र में इन फैक्ट्रियों को दोबारा शुरू न करें। हाल ही में, कुछ फैक्ट्री संचालक स्थानीय लोगों के साथ मिलकर सरकारी, आरक्षित खुली, वन भूमि पर कब्जा कर रहे हैं और सरकार की अनुमति के बिना उन पर जींस फैक्ट्री स्थापित कर रहे हैं।

कल्याण पूर्व के चिंचपाड़ा, वदारली क्षेत्र में कुछ जीन फैक्ट्री संचालकों ने इस क्षेत्र में सरकारी और निजी भूमि पर ग्रीन बेल्ट को नष्ट कर 32 जीन फैक्ट्री का निर्माण कर लिया था और क्षेत्र की जैव विविधता के लिए खतरा पैदा कर दिया था। इन जिन कारखानों की व्यवस्था लोहे के शेल्टर, सीमेंट की चादरें तैयार करके और उनमें महाभातिरन की बिजली लाइनों को चोरी-छिपे ले जाने से शुरू हुई थी। इन जींस फैक्ट्रियों से होने वाले प्रदूषण को लेकर स्थानीय नागरिकों ने डिवीजन कके सहायक आयुक्त हेमा मुंबरकर से शिकायत की थी. इस शिकायत के मुताबिक, मुंबार्कर ने चिंचपाड़ा, वदार्ली में जींस फैक्ट्रियों का निरीक्षण किया. पाया गया कि इन फैक्ट्रियों के संचालकों ने सरकार, नगर निगम प्रशासन से कोई अनुमति नहीं ली थी और ये फैक्ट्रियां अवैध थीं.

जीतेंद्र अव्हाड ने मुख्यमंत्री पर बोला हमला...!

मुंबई : मुंबई पिछले ढाई साल में जिन गैंगस्टर्स को सत्तापक्ष द्वारा आश्रय दिया गया है। ये वही गुंडे थे, जिन्होंने ठाणे के टेंभीनाका में शिव सेना की रैली में गैंगवार मचाया था। ये गैंगस्टर किसी के नहीं हैं। आज वे एक दूसरे के पास गये, ईडिया अघाड़ी के प्रवक्ता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता डॉ. जीतेंद्र अव्हाड ने इन शब्दों में अपनी प्रतिक्रिया दी है, उन्होंने रविवार को कहा कि यदि अगर कल ये आपके सामने आ जाएं तो हैरान मत होना।

बताया जाता है कि शिवसेना उम्मीदवार नरेश म्हस्के अपना नामांकन पत्र दाखिल करने जा रहे थे, तभी उनकी रैली में भाग लेने वाले गुंडों के बीच गैंगवार शुरू हो गई। इस संबंध में डॉ. जीतेंद्र आव्हाड ने एक पोस्ट कर आलोचना की है। डॉ. जीतेन्द्र आव्हाड ने कहा कि, हम जो बोते हैं वही बढ़ता है। जब शिवसेना के लोक सभा उम्मीदवार अपना आवेदन पत्र भरने जा रहे थे, तो पिछले ढाई साल से जिन गुंडों को आश्रय दिया गया था। अब इसके बाद उन ठगों के गिरोहों के बीच कई बार खुली लड़ाई हुई। आव्हाड का आरोप है कि मुख्यमंत्री स्वयं पार्टी के मुखिया होते हैं, जिस शहर में रहते हैं। यह महाराष्ट्र के लिए शर्म की बात होगी अगर उसी शहर में उनकी पार्टी के उम्मीदवार के जुलूस के दौरान गैंगवार हो जाए। पूरे महाराष्ट्र में ठाणे की शर्म खत्म हो गई है।

मुंबई में सोना तस्करी मामले में 1 साल बाद आरोपी गिरफ्तार

मुंबई: राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने सोने की तस्करी के मामले में एक साल बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है. इन्हीं अपराधों में पहले भी दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और उनके पास से करीब 152 करोड़ का सोना जब्त किया जा चुका है. दुबई से सोने की तस्करी करने वाले कुछ गिरोह सक्रिय हैं। गिरोह विभिन्न माध्यमों से दुबई से सोना लाते हैं और उसे भारतीय बाजार में बेचते हैं। इन्हें रोकने के लिए डीआरआई ने जाल बिछाया था.

पिछले साल मई में डीआरआई अधिकारियों को दुबई से करोड़ों रुपये के सोने की तस्करी की सूचना मिली थी. उस सूचना के बाद अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दुबई से आने वाले हर यात्री के सामान की तलाशी शुरू कर दी. उस वक्त दुबई से आए दो यात्रियों को इन अधिकारियों ने हिरासत में लिया था. डीआरआई ने उसके बैग से करीब 172 करोड़ का सोना जब्त किया है. बाद में दोनों यात्रियों को सोने की तस्करी के सिलसिले में गिरफ्तार कर लिया गया। पता चला कि उनकी जांच में नरेश देवूरकर भी शामिल थे. लेकिन उन दोनों की गिरफ्तारी के बाद वह फरार हो गया. वह अपने अन्य साथियों की मदद से दुबई से सोने की तस्करी कर रहा था। इसलिए इन अधिकारियों ने उसे गिरफ्तार करने के लिए विशेष अभियान चलाया था. दो दिन पहले जब यह तलाशी अभियान चल रहा था तब अधिकारियों ने उसे गिरफ्तार कर लिया था.

मुंबई से बीजेपी प्रत्याशी उज्जवल निकम को निशाना बनाने पर देवेंद्र फडणवीस ने विपक्ष को घेरा...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में बीजेपी के उम्मीदवार उज्ज्वल निकम पर विपक्षी पार्टी के नेता विजय वडेट्टीवार ने जो बयान दिया, अब उस पर जमकर विवाद हो रहा है. इस मामले में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने भी अब विपक्ष पर निशाना साधा. दरअसल बीजेपी के उज्ज्वल निकम को उम्मीदवार घोषित करने से विवाद खड़ा हो गया है.

फडणवीस ने कहा कि विपक्ष ''अजमल कसाब को लेकर चिंतित है'' और निकम को निशाना बनाकर आतंकवादियों का समर्थन करना चाहता है. उन्होंने कहा, ''विपक्षी नेता विजय वडेट्टीवार के अनुसार, उज्ज्वल निकम ने कसाब का अपमान किया. कसाब ने शहर को आतंकित किया और कांग्रेस उससे चिंतित है. महायुति उज्ज्वल निकम का समर्थन कर रही है और एमवीए कसाब का समर्थन कर रही है, अब आप तय करें कि आपको किसे वोट देना चाहिए.'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मौजूदा सांसद पूनम महाजन को हटाकर पूर्व विशेष लोक अभियोजक निकम को मुंबई उत्तर मध्य लोकसभा सीट से टिकट दिया है. जो पहले 26/11 के आतंकवादी अजमल कसाब

पर अपनी टिप्पणियों को लेकर सुर्खियों में आए थे. उनकी टिप्पणियों ने कानूनी हलकों में हलचल पैदा कर दी और इससे राजनीतिक लड़ाई शुरू हो गई. कांग्रेस ने बीजेपी की पसंद का मजाक उड़ाया था. वरिष्ठ नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि बीजेपी ने ऐसे उम्मीदवार को चुना है जिसका ''26/11 के आतंकवादी अजमल कसाब को जेल में बिरयानी परोसे जाने का झूठ अतीत में उजागर हो चुका है.''कांग्रेस के विजय वडेट्टीवार उस समय एक बड़े विवाद में आ गए जब उन्होंने कहा कि अजमल कसाब ने पुलिस अधिकारी हेमंत करकरे की हत्या नहीं की थी, बल्कि बीजेपी के वैचारिक गुरु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े एक पुलिसकर्मी ने की थी, उज्ज्वल निकम गद्दार थे जिन्होंने इस तथ्य को दबाया. उनकी इन टिप्पणियों की शिवसेना ने आलोचना की है.

2008 में मुंबई पर हमला कर 166 लोगों की हत्या करने वाले 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों में से अजमल कसाब एकमात्र जीवित पकड़ा गया था. जिसे लगभग चार साल तक मुंबई जेल में रखा गया और नवंबर 2012 में पुणे में फांसी दे दी गई. 2009 में, तत्कालीन सरकारी वकील निकम ने घोषणा की थी कि कसाब ने जेल में रहते हुए बिरयानी मांगी थी. लेकिन विशेष अदालत के सवालों के बाद उन्होंने कहा था कि यह एक कहानी है जो उन्होंने ''मनगढ़ंत'' बताई है. उन्होंने मीडिया से कहा था, ''कसाब ने कभी बिरयानी की मांग नहीं की और सरकार ने उसे कभी बिरयानी नहीं परोसी. मैंने मामले की सुनवाई के दौरान कसाब के पक्ष में बन रहे भावनात्मक माहौल को तोड़ने के लिए यह साजिश रची.''

नौ साल की मासूम को दुकानदार ने बनाया हवस का शिकार

ठाणे : ठाणे जिले में बेकरी चलाने वाले 72 वर्षीय एक व्यक्ति को नौ साल की बच्ची से दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना 30 अप्रैल की शाम को हुई जब बच्ची कुछ खरीदारी करने के लिए कल्याण इलाके में स्थित बेकरी की दुकान पर गई थी। कल्याण के महात्मा फुले चौक (एमएफसी पुलिस) थाने के अधिकारी ने शनिवार को बताया कि आरोपी ने बच्ची को चॉकलेट का लालच दिया और उसे दुकान के अंदर ले गया जहां उसने कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने बच्ची को धमकी दी कि अगर उसने इसके बारे में अपने माता-पिता को बताया तो वह उन्हें मार देगा। अधिकारी ने बताया कि बच्ची ने बाद में अपने माता-पिता को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने एक मई को आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और बाल यौन अपराध संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया और शनिवार को उसे गिरफ्तार कर लिया।

महाराष्ट्र की रैली में बोले उद्धव ठाकरे, जो नहीं काम का... वह नहीं राम का

मुंबई: देश में मोदी शाह और राज्य में ठाणे का गोल्डन गैंग का लूटने का काम जारी है। इन लोगों का सफाया लोकसभा चुनाव में हो जाएगा। आगामी विधानसभा चुनाव में भी जनता इनका फैसला करेगी। यह बात शिवसेना (ठाकरे गुट) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने ऐरोली में आयोजित एक रैली में कही। उन्होंने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा,'जो नहीं काम का, वह नहीं राम का। यह गजनी सरकार है, जो कल का बोला हुआ याद नहीं रखती और जनता को रोज नए वादे करती है, लेकिन कभी पूरा नहीं करती। ऐरोली में शिवसेना (ठाकरे) के ठाणे लोकसभा से उम्मीदवार राजन विचारे के चुनावी प्रचार सभा में उद्धव ठाकरे लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान जितेंद्र आव्हाड, मुजफ्फर हुसैन, नवी मुंबई कांग्रेस जिला अध्यक्ष अनिल कौशिक,

आप पार्टी के दिनेश ठाकुर, शिवसेना जिला प्रमुख विट्ठल मोरे उपस्थित थे।

'गद्दारों को जेल में डाला जाएगा'

उद्धव ठाकरे ने कहा कि शिवसेना के नेताओं पर दबाव डाला जा रहा है, उन लोगों की पार्टी में नहीं शामिल होने पर फर्जी केस कर जेल में डालने की धमकी भी दी जा रही है। कई लोगों को जेल भी भेजा गया है। अब जनता उनका फैसला करेगी। उसी जेल में इन गद्दारों को भी डाला जाएगा। राज्य की जनता इन गद्दारों को रिटायर्ड ही नहीं, गेट आउट करने जा रही है। इन लोगों को तड़ीपार करेगी।

कोरोना काल का जिक्र

ठाकरे ने बीजेपी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि गुजरात और यूपी में कोरोना के दौरान शव को गंगा में बहा दिया जा रहा था, लेकिन हमारी सरकार ने महाराष्ट्र में ऐसा नहीं होने दिया। कोरोना काल में जिन लोगों की मौत हुई, उनका सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उस समय भी पीएम केयर फंड के नाम भ्रष्टाचार किया गया। यह पीएम केयर फंड किसका है, इसके बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं है। ऐसे लोग शिवसेना को समाप्त करने में जुटे हैं। उन्हें पता नहीं शिवसेना एक वृक्ष है, इसकी जितनी शाखाएं ऊपर की तरफ फैली है, उससे कहीं अधिक जमीन में है। आप तोड़ोगे, दूसरी तैयार हो जाएगी।

बारह साल की बच्ची से यौन उत्पीड़न, आरोपी पिता गिरफ्तार

मुंबई: पुलिस ने शनिवार को गोरेगांव में बारह वर्षीय लड़की का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में सौतेले पिता को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ यौन अपराधों और बलात्कार से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। सत्ताईस वर्षीय आरोपी बेरोजगार है और उसकी पत्नी काम पर जाती है। शनिवार को जब आरोपी की पत्नी काम पर गई तो उसने अपने आवास पर अपनी सौतेली बेटी के साथ मारपीट की। मां के वापस आने के बाद पीड़ित बच्ची ने आपबीती अपनी मां को बताई. इसके बाद महिला ने तुरंत थाने में शिकायत दर्ज कराई. तदनुसार, पुलिस ने शनिवार रात बलात्कार और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। फिर शनिवार आधी रात को आरोपी पिता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया.

मुंबई में बैंक क्लर्क पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

मुंबई : अपना सहकारी बैंक परेल शाखा के केंद्रीय प्रसंस्करण विभाग (सीपीडी) के प्रमुख अधिकारी ने बैंक के एक क्लर्क के खिलाफ 1.51 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है। 50 साल के शिकायतकर्ता अमृत बिरवतकर ने कालाचौकी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया कि परेल शाखा के एक क्लर्क जयेश नामदेव गावकर ने बैंक को धोखा देते हुए धोखे से 1.51 करोड़ रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए। अपनी शिकायत में, बिरवतकर ने उल्लेख किया कि गावकर 1 मार्च, 2012 को अपना सहकारी बैंक में शामिल हुए और 7 नवंबर, 2017 से सीपीडी में क्लर्क के रूप में काम कर रहे हैं। पुलिस की जानकारी के अनुसार, 18 और 19 सितंबर, 2023 को गावकर ने सीपीडी विभाग में अपने पद का दुरुपयोग करते हुए आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से बैंक के खाते से अवैध रूप से 8 गुना 1.51 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। गावकर ने व्यापार में संलग्न होने के लिए टेलीग्राम के माध्यम से डाउनलोड किए गए एक क्रिप्टोकरेंसी ऐप का उपयोग किया। उसने अपने बैंक खाते से धनराशि अपने खाते में स्थानांतरित की और फिर उन्हें एक सट्टेबाजी ऐप के धारक खाते में जमा कर दिया। पुलिस ने खुलासा किया कि गावकर ने बिना अनुमति के 1.51 करोड़ ट्रांसफर किए और अपने पद का दुरुपयोग किया। बैंक अधिकारियों ने उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 409 और 420 के तहत शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गावकर ने अपने पद का इस्तेमाल करते हुए बैंक की लॉगिन आईडी और पासवर्ड हासिल कर लिया। पुलिस ने बताया है कि गावकर ने एक बैंक व्हाट्सएप ग्रुप में अपनी गलती स्वीकार की, माफी मांगी और अपना सहकारी बैंक खाते में दो किस्तों में 30 लाख रुपए जमा किए।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com